श्री करणी कॉलेज कजोई जैसलमेर

बीए प्रथम सेमेस्टर

विषय -राजनीति विज्ञान (माइनर)

इकाई - 1 राजनीतिक सिद्धांत (Political Theory)

राजनीतिक सिद्धांत (Political Theory) राजनीति से जुड़े विचारों, आदर्शों, सिद्धांतों और संस्थाओं का व्यवस्थित अध्ययन है। यह न्याय, स्वतंत्रता, समानता, और अधिकार जैसी मूल अवधारणाओं का विश्लेषण करता है। यह शक्ति की प्रकृति और शासन प्रणालियों की वैधता की भी जांच करता है।

राजनीतिक सिद्धांत का अर्थ, प्रकृति और क्षेत्र इस प्रकार हैं:

अर्थ (Meaning)

- **विचारों का अध्ययन:** राजनीतिक जीवन और राजनीतिक संस्थाओं से संबंधित विचारों की व्यवस्थित व्याख्या।
- **मूल्यों की खोज:** यह केवल यह नहीं बताता कि राजनीति क्या है, बल्कि यह भी निर्धारित करता है कि राजनीति को कैसा होना चाहिए।
- **समस्याओं का समाधान:** यह स्वतंत्रता, न्याय, समानता और अधिकारों जैसी बुनियादी अवधारणाओं को स्पष्ट करता है।

प्रकृति (Nature)

- **दार्शनिक और विश्लेषणात्मक:** यह राजनीतिक सत्यों और मूल्यों का तार्किक विश्लेषण करता है।
- **गतिशील और परिवर्तनशील:** समय के साथ राजनीतिक परिस्थितियों और चुनौतियों के बदलने से इसके स्वरूप में बदलाव आता है।
- **मूल्यात्मक और तथ्यात्मक:** इसमें तथ्यात्मक अध्ययन के साथ-साथ नैतिक मूल्यों (जैसे अच्छा समाज, न्यायपूर्ण राज्य) पर भी जोर दिया जाता है।
- **अंतर-अनुशासनिक:** इसका संबंध इतिहास, समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र और कानून से जुड़ा होता है।

क्षेत्र (Scope)

- **राज्य और सरकार का अध्ययन:** राज्य की उत्पत्ति, प्रकृति, कार्य और विभिन्न प्रकार की शासन प्रणालियों का विश्लेषण।

- **बुनियादी अवधारणाएं:** स्वतंत्रता, समानता, अधिकार, न्याय, लोकतंत्र और संप्रभुता का अध्ययन।
- **शक्ति और अधिकार:** राजनीति में शक्ति (Power), प्रभाव, सत्ता (Authority) और वैधता की भूमिका की जांच।
- **राजनीतिक व्यवहार:** राजनीतिक संस्कृति, समाजीकरण और राजनीतिक दलों की गतिविधियों का मूल्यांकन।

राजनीतिक सिद्धांत (Political Theory) का अर्थ राजनीतिक जीवन से जुड़े विचारों, संस्थाओं, व्यवहारों और मूल्यों का वैज्ञानिक और दार्शनिक अध्ययन है। यह केवल इस बात का अध्ययन नहीं करता कि राज्य या सरकार कैसे काम करती है, बल्कि यह भी जांचता है कि उन्हें **कैसा होना चाहिए**।

राजनीतिक सिद्धांत का विस्तृत विश्लेषण निम्नलिखित बिंदुओं के माध्यम से समझा जा सकता है:

1. शाब्दिक अर्थ (Etymological Meaning)

- **थ्योरी (Theory) शब्द की उत्पत्ति:** 'सिद्धांत' को अंग्रेजी में 'Theory' कहते हैं, जो यूनानी (Greek) शब्द **'Theoria' (थियोरिया)** से बना है।
- **अर्थ:** 'Theoria' का अर्थ होता है—एक ऐसी **गहन मानसिक दृष्टि** (Well-focused mental outlook) जो किसी वस्तु या घटना को समझने और उसकी व्याख्या करने में मदद करती है।
- **निष्कर्ष:** शाब्दिक रूप से, राजनीतिक सिद्धांत का अर्थ राजनीति को समझने, उसकी व्याख्या करने और उसमें सुधार करने की एक व्यापक बौद्धिक दृष्टि है।

2. राजनीतिक सिद्धांत के तीन मुख्य आयाम (Dimensions)

प्रसिद्ध राजनीतिक विचारक **इवान कूपर** और अन्य विद्वानों के अनुसार, राजनीतिक सिद्धांत में मुख्य रूप से तीन तत्व या आयाम शामिल होते हैं:

[राजनीतिक सिद्धांत

1. वर्णनात्मक
2. मूल्यात्मक (मूल्य और आदर्श)
3. व्याख्यात्मक (कारण और प्रभाव)

- **वर्णनात्मक (Descriptive):** यह राजनीतिक घटनाओं, संस्थाओं (जैसे- राज्य, संविधान, संसद) और व्यवहारों का जैसा है वैसा ही वर्णन और विश्लेषण करता है। (जैसे- भारतीय लोकतंत्र की वर्तमान स्थिति क्या है?)
- **मूल्यात्मक वा आदर्शात्मक (Normative):** यह नैतिक मूल्यों, आदर्शों और दर्शन पर आधारित होता है। यह तय करता है कि एक अच्छा समाज या राज्य कैसा होना चाहिए। (जैसे- स्वतंत्रता, समानता और न्याय के आदर्श क्या होने चाहिए?)
- **व्याख्यात्मक (Explanatory):** यह विभिन्न राजनीतिक घटनाओं के कारणों और उनके प्रभावों की व्याख्या करता है ताकि उनके पीछे के नियमों को समझा जा सके।

3. प्रमुख विचारकों के अनुसार परिभाषाएँ (Definitions)

- **जॉन प्लेमनेत्ज़ (John Plamenatz):** इनके अनुसार, "राजनीतिक सिद्धांत केवल राजनीति के बारे में सोचना नहीं है, बल्कि यह राजनीतिक व्यवस्थाओं और लक्ष्यों को समझने का एक व्यवस्थित प्रयास है।"
- **एन्ड्रयू हैकर (Andrew Hacker):** हैकर ने इसे दो भागों में बांटा–"यह एक तरफ **राजनीतिक विज्ञान** है जो तथ्यों की खोज करता है, और दूसरी तरफ **राजनीतिक दर्शन** है जो मूल्यों को रेखांकित करता है।"
- **डेविड हेल्ड (David Held):** इनके अनुसार, राजनीतिक सिद्धांत राजनीतिक जीवन की अवधारणाओं (जैसे संप्रभुता, लोकतंत्र, न्याय) और उनके ऐतिहासिक विकास का एक जटिल ताना-बाना है।

4. पारंपरिक बनाम आधुनिक दृष्टिकोण (Traditional vs Modern Meaning)

समय के साथ राजनीतिक सिद्धांत के अर्थ में गहरा बदलाव आया है, जिसे दो दृष्टिकोणों में समझा जा सकता है:

आधार	पारंपरिक दृष्टिकोण (Traditional View)	आधुनिक/वैज्ञानिक दृष्टिकोण (Modern View)
समय सीमा	शुरुआत से लेकर द्वितीय विश्व युद्ध (WWII) तक।	द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से अब तक (व्यवहारवाद)।
मुख्य केंद्र	**दर्शन और मूल्य** (Philosophy & Values)।	**तथ्य और वैज्ञानिक पद्धति** (Facts & Science)।

अध्ययन का तरीका	कानूनी, संस्थागत और ऐतिहासिक अध्ययन।	मानवीय व्यवहार, शक्ति (Power) और व्यवस्था का अध्ययन।
प्रमुख विचारक	प्लेटो, अरस्तू, रूसो, कांट, हीगेल।	डेविड ईस्टन, रॉबर्ट डाहल, लासवेल।

5. राजनीतिक सिद्धांत का मुख्य उद्देश्य

- **अवधारणाओं को स्पष्ट करना:** यह स्वतंत्रता, समानता, न्याय, अधिकार, लोकतंत्र और कानून जैसी अमूर्त अवधारणाओं को सरल और स्पष्ट परिभाषा देता है।
- **नागरिकों को जागरूक बनाना:** यह नागरिकों को अपने अधिकारों, कर्तव्यों और सरकार के कामकाज के प्रति तार्किक रूप से सोचने की क्षमता प्रदान करता है।
- **भविष्य के लिए दिशा-निर्देश:** अतीत और वर्तमान की राजनीतिक समस्याओं का अध्ययन करके यह भविष्य के लिए एक न्यायपूर्ण और आदर्श शासन व्यवस्था का मार्ग प्रशस्त करता है।

यदि आप इस विषय को और गहराई से समझना चाहते हैं, तो बताएं कि हम आगे किस बिंदु पर चर्चा करें:

- राजनीतिक सिद्धांत की **प्रकृति (Nature)** और उसकी वैज्ञानिकता?
- इसका **क्षेत्र (Scope)** यानी इसमें किन-किन विषयों को शामिल किया जाता है?
- इसके **पारंपरिक और आधुनिक दृष्टिकोणों** में